NaiDunia (Indore), 01st November 2023, Page – 05

आइआइटी में मादा तेंदुआ और दो शावक, लगाए पिंजरे, आर्मी वार कालेज में भी तेंदुए की दहशत

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सिमरोल स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) में मादा तेंदुए सहित दो शावकों को देखा गया। इसके बाद परिसर में रहने वाले शिक्षक-विद्यार्थी सहित कर्मचारी डरे हुए हैं। सूचना मिलने पर वन विभाग ने परिसर में तेंदुए की तलाश शुरू कर दी है। दिन में दो बार वनकर्मी सर्च आपरेशन चलाने में लगे हैं। तेंदुए और शावकों को पकड़ने के लिए अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं, वहीं महू स्थित आर्मी वार कालेज में भी तेंदुए का मूवमेंट है। अधिकारियों के मुताबिक जंगल से जानवर के बाहर आने की सबसे बड़ी वजह इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग का निर्माण होना है, क्योंकि वन्य प्राणियों का पर्यावास क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इसके कारण महू-चोरल और बड़वाह में वनप्राणियों का मूवमेंट बढ़ा है।

आइआइटी परिसर में कुछ दिनों से घूम रहे तेंदुए और दोनों शावक सीसीटीवी में कैद हुए हैं। प्रबंधन ने वन विभाग को जानकारी दी। फिर चोरल रेंज ने सर्च आपरेशन चला दिया। सुबह और शाम वनकर्मी परिसर में घूमकर तेंदुए की तलाश में जुटे हैं। कई स्थानों से तेंदुए पंजों के निशान मिले हैं।

वनकर्मियों के अनुसार झाड़ियां अधिक होने की वजह से तेंदुए को ढूंढने में थोड़ी परेशानी हो रही है। चोरल रेंजर सचिन वर्मा का कहना है कि तेंदुए के मूवमेंट के बारे में पता लगाया जा रहा है। वैसे परिसर में पिंजरे लगाए हैं, मगर तेंदुए अभी तक कैद नहीं हुआ है। वे बताते हैं कि पिछले तीन से चार दिन तेंदुए परिसर में घूम रहा है।

बाघ के बाद अब तेंदुआ : बाघ के बाद आर्मी वार कालेज और सैन्य परिसर में तेंदुए की हलचल है। इससे वहां रहने वाले लोगों में दहशत है। अप्रैल से अक्टूबर के बीच बाघ और तेंदुआ कई बार दिख चुका है। वैसे इन दिनों बाघ बड़गोंदा वनक्षेत्र घूम रहा है। महू के आर्मी वार कालेज में तेंदुए सितंबर से दिख रहे हैं। आर्मी वार कालेज में तेंदुए को पकड़ने के लिए रेस्क्यू टीम लगी है। रेस्क्यू टीम रेंजर योगेश यादव का कहना है कि मंगलवार को परिसर में टीम ने दो पिंजरों में बकरी रखी है।

आइआइटी परिसर में कुछ दिन पूर्व तेंदुआ घूमता दिखा था। • सौ. वन विभाग

70 से अधिक तेंदुए

इंदौर वनमंडल में तेंदुओं की संख्या बीते पांच साल में बढ़ गई है। 2017-2018 के बीच इंदौर, चोरल, महू और मानपुर में इनकी संख्या 45 थी, जो अब 70 पार पहुंच चुकी है। अकेले महू में 22 तेंदुए हो चुके हैं।

रात में कर रहे सुरंग का काम

216 किमी लंबे इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग का निर्माण कई माह से चल रहा है। अगस्त में एनएचएआइ ने वन विभाग को रात में काम करने की अनुमति मांगी। इंदौर वनमंडल से तत्कालीन डीएफओ नरेंद्र पंडवा ने मुख्यालय को पत्र भेजा, जिसमें चोरल को वनप्राणियों की दृष्टि से संवेदनशील नहीं माना। इस आधार पर एपीसीसीएफ एचएस मोहंता ने अनुमति दी। पहले विभाग ने पत्र में सड़क और सुरंग दोनों का काम रात में करने का उल्लेख किया। आपत्ति लेने के बाद विभाग ने 12 सितंबर को नया आदेश दिया और सिर्फ सुरंग का निर्माण रात में करने की अनुमति दी। यह आदेश एक महीने के लिए था, जो अब भी जारी है, जबकि नियमानुसार सूर्यास्त के बाद जंगल में निर्माण कार्य प्रतिबंधित है।